डॉक्टर मेयो

दो भाईयों की कहानी

जॉनसन, हिंदी : विदूषक

डॉक्टर मेयो

दो भाईयों की कहानी

यह कहानी दो भाईयों की है जिन्होंने अपनी
ज़िन्दगी में बहुत सी चीज़ें साँझा कीं.
यह कहानी उनकी ज़िन्दगी पर आधारित है.
उनकी ज़िन्दगी के ऐतिहासिक तथ्य
अंतिम पेज पर हैं.

यह एक ज़माने की बात है – पर बात बहुत पुरानी नहीं है. दो भाई थे जिनका नाम था विल और चार्ली मेयो.

विल और चार्ली मिन्नीसोटा, अमरीका के एक छोटे से शहर में रहते थे. उनके पिता एक डॉक्टर थे और वो आसपास के गांवों में मरीजों को देखने जाया करते थे. जब कभी पिता मरीजों को देखने जाते तो दोनों भाई भी उनके साथ जाते. जब पिताजी के इलाज से किसी मरीज़ की तबियत ठीक होती तो दोनों भाई बहुत खुश होते और उन्हें अपने पिता पर गर्व होता.

पर कभी-कभी डॉक्टर मेयो अपने मरीजों की मदद नहीं कर पाते थे. उसके बाद जब लड़के अपने पिताजी के साथ घर वापिस आते तो उन्हें बहुत दुःख होता.

"क्या बात है?" माँ दोनों भाईयों से पूछतीं.

"पिछले हफ्ते पिताजी ने एक लड़के की जान बचाने के लिए ऑपरेशन किया था," चार्ली ने कहा. "पर पिताजी उसे बचा नहीं पाए."

"उस लड़के को बाद में इन्फेक्शन हो गया," चार्ली ने कहा. "पिताजी, उसकी जान बचा नहीं पाए."

कुछ देर बाद पिताजी आए और उनके पास बैठे. पिताजी बहुत थके लग रहे थे. "देखो, इन्फेक्शन को ख़त्म करना बड़ा मुश्किल काम है," उन्होंने अफ़सोस के साथ कहा. "इन्फेक्शन शुरू ही न हो, काश मुझे वो गुर पता होता."

"ज़रा एक मिनट रुकिए," मिसिज़ मेयो ने कहा. "मैं कुछ लेकर आती हूँ. मैं जल्द ही वापिस लौटूंगी." फिर वो मुस्कुराते हुए बाहर चली गईं.

क्या तुम्हें पता है कि इस दुःख के अवसर पर वो क्यों मुस्कुरा रही थीं?

क्यों? उन्हें तभी एक बात याद आई जो उनके पति की मदद कर सकती थी. डॉ. मेयो के पास बहुत से मेडिकल जर्नल आते थे. उन्होंने अपनी पत्नी से सभी जर्नल पढ़ने को कहा था. मिसेज़ मेयो उन्हें पढ़कर उनमें से नई-नई बातें और शोध अपने पति को बताती थीं. मिसेज़ मेयो ने हाल में इन्फेक्शन के बारे में कुछ पढ़ा था जो उन्हें याद आया. कुछ मिनटों बाद वो एक मेडिकल जर्नल साथ में लेकर लौटीं. "ज़रा इसे पढ़िए," उन्होंने अपने पति से कहा.

फिर डॉ. मेयो ने उस लेख को पढ़ा. "यह तो लाजवाब है!" वो ख़ुशी से चिल्लाए. लुइस पासचर नाम के एक आदमी ने खोजा था की जर्म्स या कीटाणुओं से इन्फेक्शन फैलता था और उसे रोका जा सकता था."

फिर डॉ. मेयो ने जर्नल को रख दिया. "काश कि मैं न्यू-यॉर्क जा पाता!" उन्होंने कहा. "फिर मैं वहां जाकर पासचर की पद्धति को सीख सकता था! पर यह सब करने के लिए पैसे कहाँ हैं?"

"हमारे पास पैसे हैं!" मिसेज़ मेयो ने कहा. "हमने कुछ धन जमा करके रखा है. अगर आपके लिए पासचर की पद्धति को सीखना ज़रूरी है तो फिर हम ज़रूर न्यू-यॉर्क जायेंगे!"

उसके बाद मेयो परिवार ने एक हज़ार मील का लम्बा सफ़र शुरू किया.

न्यू-यॉर्क में डॉ. मेयो ने बेलेवेयू अस्पताल में अन्य डॉक्टरों के साथ काम किया. उन्होंने माइक्रोस्कोप से उन जर्म्स (कीटाणुओं) को देखा जिनसे इन्फेक्शन होता था. उन्होंने यह भी सीखा की जर्म्स साफ़-स्वच्छ जगह में जिंदा नहीं रह सकते थे, और चीज़ों, औजारों को पानी में उबालने से उनपर लगे जर्म्स मर जाते थे. उन्होंने ऑपरेशन के समय जर्म्स से इन्फेक्शन न हो इस महत्वपूर्ण बात को अच्छी तरह सीखा.

डॉ. मेयो ने जो कुछ सीखा उसे उन्होंने अपनी पत्नी और बेटों को भी बताया. "मैंने यहाँ आकर काफी कुछ सीखा है और प्रगति की है," उन्होंने कहा. "पर अब मुझे नए मेडिकल उपकरण चाहिए – विशेषकर एक माइक्रोस्कोप. काश! माइक्रोस्कोप इतने महंगे नहीं होते!"

"अगर आपको माइक्रोस्कोप चाहिए ही, तो फिर हम उसे ज़रूर खरीदेंगे," मिसेज़ मेयो ने कहा. "हम अपने घर को गिरवी रखकर पैसे उधार ले सकते हैं. फिर आप वो सब मेडिकल उपकरण खरीद सकते हैं जिनकी आपको मिन्नीसोटा में ज़रुरत पड़े."

डॉ. मेयो ने बिल्कुल वही किया. कुछ दिनों बाद मेयो परिवार मिन्नीसोटा में अपने घर वापिस लौटा.

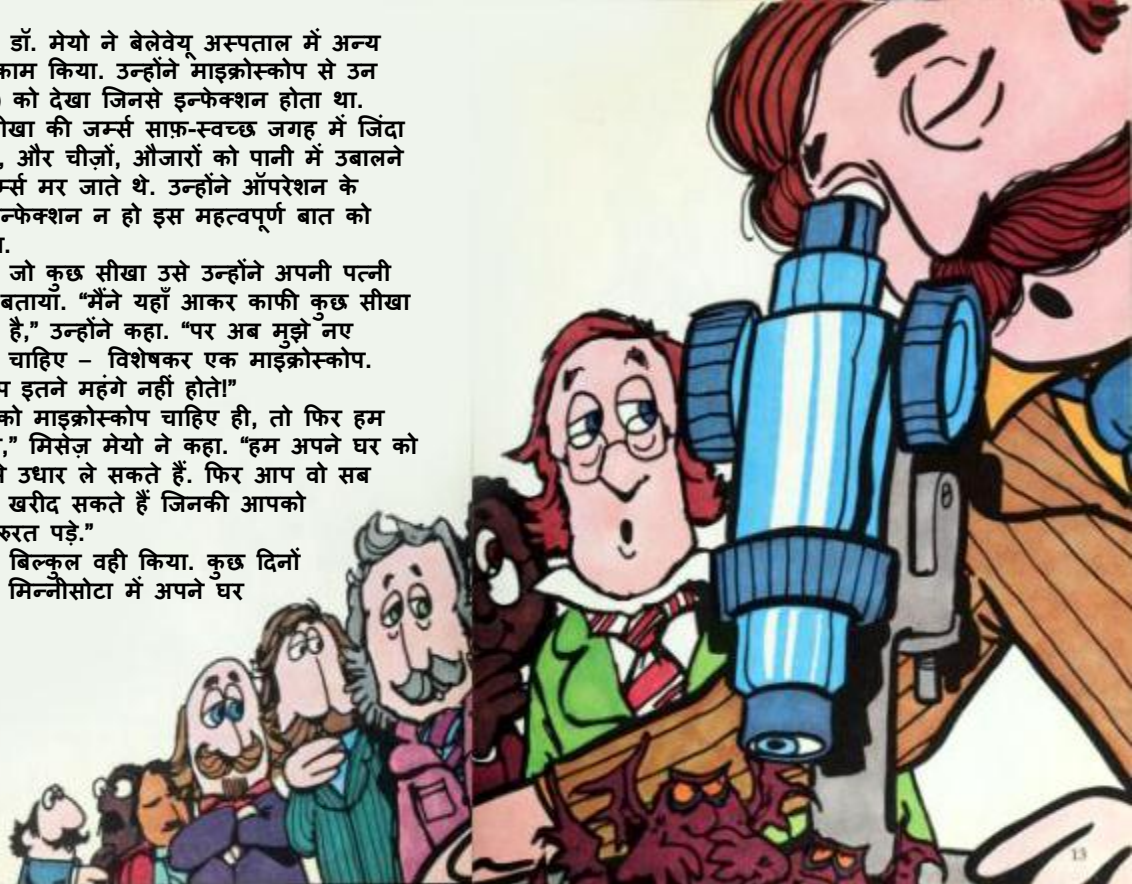

जब डॉ. मेयो घर में माइक्रोस्कोप लेकर आए तो विल और चार्ली ख़ुशी से नाचने लगे. वे माइक्रोस्कोप में से चीज़ें देखने को बहुत तत्पर थे.

"इस उपकरण का "माइक्रोस्कोप" जैसा अजीब नाम क्यों है?" चार्ली ने पूछा.

"क्योंकि "माइक्रो" का मतलब होता है "अति-सूक्ष्म"," डॉ. मेयो ने कहा. "स्कोप का मतलब होता है - देखना."

"अच्छा अब समझा," विल ने कहा. "जिससे कि हम अति-सूक्ष्म कीटाणुओं को देख सकें."

"बिल्कुल ठीक," डॉ. मेयो ने कहा. "पर उसे बहुत सावधानी से उपयोग करना. माइक्रोस्कोप बहुत महंगा है."

लड़कों ने बहुत सावधानी बरती. इससे पहले की अन्य लड़के पहाड़े सीखते दोनों मेयो भाई, माइक्रोस्कोप को इस्तेमाल करना सीख गए थे.

जब दोनों भाई बहुत छोटे थे तब उन्होंने एक काम और किया. उसने बहुत से लोगों को आश्चर्य में डाला. क्या तुम अनुमान लगा सकते हो की उन्होंने क्या किया होगा?

दोनों मेयो भाई अक्सर अपने पिता को ऑपरेशन करते हुए देखते थे. ऑपरेशन में वे अपने पिता की भरसक मदद भी करते थे.

उस समय साउथ मिन्नीसोटा में कोई अस्पताल नहीं था. इसलिए डॉ. मेयो अक्सर किचन की मेज़ पर ही ऑपरेशन करते थे. दोनों भाई क्योंकि उस समय इतने छोटे थे इसलिए वे लकड़ी के बक्सों पर खड़े होते थे. तभी वो डॉ. मेयो दवारा किए ऑपरेशन को देख पाते थे. वैसे दोनों लड़के अभी बहुत छोटे थे, पर उनके पिता हमेशा उनसे इस तरह बातें करते थे जैसे वे उनके हम-उम्र हों. पिताजी हमेशा अपनी जानकारी बच्चों के साथ साँझा करते थे, और जो कुछ भी चल रहा होता था उसे बड़े सटीक ढंग से समझाते थे.

अक्सर दोनों भाई पिताजी के ऑपरेशन को बहुत ध्यान और लगन से देखते थे. पर कभी-कभी उनका ध्यान बहक भी जाता था. दोनों भाई अन्य छोटे बच्चों जैसे ही थे. कभी-कभी वे दिन में सपने देखते लगते थे.

एक दिन दोनों भाई ऐसा ही कोई सपना देख रहे थे. उस समय उनके पिता एक ऑपरेशन कर रहे थे और उनसे बातें भी कर रहे थे. पर बच्चे ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे थे. ऐसा लगा जैसे कैंची की दो चमकीली आँखें सीधे लड़कों को घूर रही हों.

"कहीं मैं कोई सपना तो नहीं देख रहा हूँ!" विल ने कहा.

"उस कैंची की दोनों आँखें मुझे घूर रही हैं," चार्ली ने खुद से कहा.

फिर उसके बाद कुछ बिल्कुल अजीबो-गरीब बात घटी!

वो कैंची उनसे बातें करने लगी.

"देखो, लड़कों!" उसने कहा, "मेरा नाम टू-साइड है और मैं तुम्हारी मित्र बनना चाहती हूँ."

"वाह!" दोनों भाईयों ने सोचा, "यह तो बहुत अच्छी बात होगी."

फिर दोनों भाई कुछ उलझन में पड़ गए. "तुम्हारा नाम टू-साइड कैसे पड़ा?" उन्होंने पूछा. "यह तो एक बड़ा मजेदार नाम है."

"मेरे लिए यह कोई मज़ाक की बात नहीं है," कैंची ने कहा. "क्या तुमने कभी कोई ऐसी कैंची देखी है जो सिर्फ एक सिंगल ब्लेड से काट सके? शायद नहीं. हरेक ब्लेड तो दूसरे की मदद करनी होती है, तभी कैंची से कोई चीज़ कटती है. उसे कहते हैं आपसी सहयोग – यानि मिलकर काम करना."

"देखो, तुम्हारे पिता सारी बातें तुमसे साँझा कर रहे हैं," टू-साइड ने कहा. "वो पूरा ऑपरेशन तुम्हें समझा रहे हैं. वो अपना फ़र्ज़ निभा रहे हैं, अपने काम को मुस्तैदी से कर रहे हैं. पर क्या तुम अपना काम ठीक तरह से कर रहे हो? क्या तुम उनकी बातों पर ध्यान दे रहे हो?"

दोनों भाई एक क्षण के लिए बिल्कुल शांत हो गए. उन्हें पता था कि वे पिताजी की बातों पर ध्यान नहीं दे रहे थे. "मुझे समझ में आया," विल ने अंत में कहा. "सहयोग के लिए दो पक्षों की ज़रुरत होती है. एक का काम देना होता है, दूसरे का काम लेना होता है."

"जब एक बोलता है, तो दूसरा सुनता है," चार्ली ने कहा.

इससे पहले कि टू-साइड कुछ और कहती, विल और चार्ली को एक असली आवाज़ सुनाई दी. "लड़कों!" पिताजी चिल्लाए. "कृपा ध्यान दो!"

विल और चार्ली एकदम कूदे. उन्होंने देखा की पिताजी को एक औज़ार चाहिए था. वो बहुत देर से उसका इंतज़ार कर रहे थे. फिर चार्ली ने तुरंत उबलते पानी में से वो औज़ार निकाला और उसे विल के पास टेबल पर रख दिया.

"हमें माफ़ करें, पिताजी," विल ने कहा. "हम लोग दिन में सपना देख रहे थे." फिर उसने डॉ. मेयो को वो औज़ार थमाया जिसकी उन्हें ज़रुरत थी.

टू-साइड उन्हें जो कुछ भी बताया, वो दोनों भाईयों को अच्छी तरह याद रहा. जब पिताजी ने उन्हें बाकी ऑपरेशन के बारे में समझाया तब दोनों लड़कों ने उनकी बात को बड़े ध्यान से सुना.

पर जब वो अपने पिता की बातों को नहीं सुन रहे होते थे तब विल और चार्ली चीज़ों पर इतना ध्यान नहीं देते थे. कभी-कभी वो स्कूल में भी ज्यादा ध्यान नहीं देते थे. वे दोनों एकदम साधारण छात्र थे. उनके टीचर्स को इस बात का कोई आभास नहीं था कि एक दिन वो दोनों भाई दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर बनेंगे.

विल और चार्ली की जल्द ही टू-साइड से, गहरी दोस्ती हो गई. वो जहाँ भी जाते अपने साथ टू-साइड को लेकर जाते.

"हम लोगों को तुम बहुत पसंद हो," चार्ली ने कहा. "तुमने चीज़ें साँझा करने के बारे जो कुछ कहा वो बात हमें बहुत पसंद आई. क्या तुम हमारे साथ सर्कस देखना पसंद करोगी?"

"वाह!" टू-साइड चिल्लाई. "सर्कस देखने में तो मुझे बेहद मज़ा आएगा." फिर वे तीनों सर्कस में हाथी, चीते और अन्य जानवर देखने के लिए गए.

जब विल, चार्ली और टू-साइड सर्कस के विशाल तम्बू में घुसे तो चार्ली को कुछ अजीब चीज़ दिखी जिसने उसे उलझन में डाला.

क्या तुम अंदाज़ लगा सकते हो कि वो क्या चीज़ थी?

एक-के-बाद-एक करके बहुत से जोकर एक छोटे से घर में से निकल रहे थे.

"मुझे यह समझ में नहीं आ रहा है," चार्ली ने कहा, "कि यह जोकर कहाँ से निकल रहे हैं?"

इससे पहले कि विल या टू-साइड, चार्ली की बात का जवाब देते, लड़कों को अपनी माँ की आवाज़ सुनाई दी. माँ उन्हें सर्कस के तम्बू के बाहर से बुला रही थीं. "चार्ली! जल्दी आओ. तुम्हारे पिताजी को तुम्हारी मदद की ज़रुरत है!"

दोनों भाई सर्कस छोड़कर अपने पिताजी की सहायता के लिए शहर के लोहार के घर भागे गए.

"क्या आप मेरी पत्नी की मदद कर सकते हैं, डॉक्टर?" लोहार ने डॉक्टर मेयो से कहा. "उसका पेट फूल गया है और वो बहुत दर्द में है. मुझे डर है कि कहीं वो मर न जाए!"

डॉ. मेयो ने लोहार को गले लगाया और उसे दिलासा दिलाई. "तुम्हारी मदद से शायद हम तुम्हारी पत्नी को बचा पाएं."

"पर मैं!" लोहार ने कहा. "मैं आपकी कैसे मदद कर सकता हूँ? मैं तो डॉक्टर नहीं हूँ? मैं भला क्या मदद कर सकता हूँ?"

"देखो तुम एक लोहार हो," डॉ. मेयो ने कहा. "तुम लोहे के किसी टुकड़े को गर्म करके, पीटकर किसी भी आकार में ढाल सकते हो."

"मुझे तुम्हारी पत्नी के ऑपरेशन के लिए कुछ विशेष औजारों की ज़रुरत होगी. उसके पेट में अन्दर की तरफ एक टियूमर छिपा है. मेरे पास जो औज़ार हैं वे इतने लम्बे नहीं हैं. तुम उस टियूमर तक पहुँचने के लिए मेरे लिए नए औज़ार बना सकते हो."

लोहार तुरंत उन औजारों को बनाने में जुट गया. दोनों मेयो भाई और टू-साइड लोहार को देखते रहे.

जब लोहार गर्म लोहे को पीट रहा था तब डॉ. मेयो ने लोहार की पत्नी से बातचीत की. "हम तुम्हारी मदद ज़रूर करेंगे हम इसका वादा करते हैं. मेरे दोनों बेटे यहाँ हैं और मेरी पत्नी कुछ अन्य डॉक्टरों को लेकर आ रही हैं. वे ऑपरेशन में हमारी मदद करेंगे. आप बिल्कुल ठीक हो जाएँगी. आप यकीन रखें."

जब तक मिसेज़ मेयो अन्य डॉक्टर्स को लाईं तब तक सारी तैयारी हो चुकी थी. सब चीज़ें बिल्कुल वैसी साफ़-सुथरी थीं जैसी डॉ. मेयो को पसंद थीं.

"ज़रा देखो," टू-साइड ने कहा. "तुम्हारे पिता ने जो सीखा था वो उन्हें याद है. इन्फेक्शन न हो, उसके लिए उन्होंने सभी सावधानियां बरती हैं."

"अगर उनके टीचर्स ने उन्हें यह सब नहीं सिखाया होता तो कितना बुरा होता," विल ने कहा. "अगर लोग अपना ज्ञान दूसरों के साथ न बाँटें तो बड़ी तबाही होगी."

"हमें सब चीज़ें शुरू से सीखनी होंगी," चार्ली ने कहा.

ऑपरेशन ख़त्म होने के बाद डॉ. मेयो ने लोहार से कहा, "तुम्हारी पत्नी बिल्कुल ठीक हो जाएगी."

जब दोनों लड़कों ने लोहार को खुश देखा तब उन्होंने निश्चय किया कि वे भी बड़े होकर डॉक्टर बनेंगे और पिताजी जैसे ही, ज़रूरतमंद लोगों की मदद करेंगे.

"तुम दोनों डॉक्टर्स बन सकते हो," मिसेज़ मेयो ने लड़कों से कहा. "तुम दोनों अच्छे डॉक्टर्स बन सकते हो. तुम लोगों को और उनकी भावनाओं को जितनी गहराई से समझोगे, तुम उतने ही अच्छे डॉक्टर बनोगे."

"मुझे ख़ुशी है की तुम चार्ल्स डिकेन्स की कहानियां पढ़ते हो," डॉ. मेयो ने विल से कहा. "डिकेन्स लोगों के बारे में और उनकी भावनाओं के बारे में बहुत गहराई से जानते हैं."

जैसे-जैसे विल बड़ा हुआ उसे एक बात समझ में आई. सिर्फ पढ़ाई मात्र से अच्छा डॉक्टर नहीं बना जा सकता था. उसे कुछ कमाना भी था जिससे कि वो मेडिकल स्कूल में जाकर पढ़ सके.

विल को स्कूल के बाद एक केमिस्ट की दुकान में काम मिला. वहां वो झाड़ू-पोछा और सफाई का काम करता था. उसने वहां अलग-अलेग तरह की दवाइयों भी बनाना सीखीं. इस प्रकार वो कुछ पैसे बचा पाया. जब वो मेडिकल स्कूल में जाने को तैयार था, तो एक शाम वो काम के बाद सीधे घर वापिस नहीं गया. वो एक जनरल स्टोर में गया, जहाँ वो अपने माता-पिता से मिला.

"अब क्या?" टू-साइड ने पूछा.

"मैं चार्ली के लिए एक नया सूट खरीदूंगा," विल ने कहा. उसने यह किया भी.

"मुझे यकीन नहीं होता!" चार्ली ने खुद को आईने में घूरते हुए कहा. "एक नया सूट!" फिर उसने अपने भाई को गले लगाया.

"मुझे लगा कि तुम मेरे पुराने कपड़े पहनते-पहनते तंग आ चुके होगे," विल ने कहा. वो गर्व से मुस्कुरा रहा था.

"अगर तुम किसी को कुछ दो, तो कितना अच्छा लगता है," टू-साइड ने फुसफुसाया.

विल अपने साथ टू-साइड को भी, मेडिकल स्कूल ले गया. वहां उसने हमेशा टू-साइड की सलाह मानी. जब उसके टीचर्स पढ़ाते तो विल उनकी बातों को बहुत ध्यान से सुनता. उसने वहां बहुत कुछ देखा, अनुभव किया और सीखा. और जब वो घर जाता तो वो बातें अपने छोटे भाई चार्ली को भी सिखाता.

कई सालों की कड़ी मेहनत के बाद विल को मेडिकल स्कूल की डिग्री मिली. उसे बेहद ख़ुशी हुई क्योंकि अब वो अपने पिताजी के साथ मिलकर देशभर में बीमार लोगों का इलाज कर सकता था. अब शहर के सब लोग उसे डॉ. विल बुलाने लगे थे.

"वाह विल!" अब मैं तुम्हारे साथ घोड़ा-गाड़ी में बिल्कुल वैसे ही जा सकता हूँ, जैसे हम पिताजी के साथ जाते थे." चार्ली ने कहा.

चार्ली को अपने बड़े भाई डॉ. विल पर बहुत गर्व था.

गर्मी एक एक दिन, चार्ली और डॉ. विल दूर-दराज़ के एक गाँव में किसी मरीज़ को देखने जा रहे थे. जब उन्हें आसमान में काले डरावने बादल घिरते हुए दिखे तब उन्होंने अपनी घोड़ा-गाड़ी रोकी. फिर हवा बहना बंद हो गई, और वहां एक अजीब तरह की शांति थी.

"हम कहाँ फंस गए," चार्ली ने फुसफुसाते हुए कहा. उसकी आवाज़ में डर था.

"देखो!" विली ने इशारे से बताया. "बवंडर आने वाला है!"

चार्ली को कुछ दूरी पर एक कीप के आकार का बवंडर दिखा.

"तेज़ दौड़ो!" विल चिल्लाया. फिर उसने घोड़े को कसकर चाबुक मारा.

"हम शहर में ज्यादा सुरक्षित होंगे!" वो चिल्लाया.

पर विल का अनुमान गलत निकला. जैसे ही वो शहर में घुसने के लिए लकड़ी का पुल पार कर रहे थे वैसे ही बवंडर उनके पीछे तेज़ी से लपका.

विल और चार्ली की तकदीर अच्छी थी. जैसे ही उन्होंने पुल पार किया वैसे ही बवंडर ने उस लकड़ी के पुल की धज्जियाँ उड़ा दीं. अब दोनों भाईयों के आसपास टूटी लकड़ी के टुकड़े और मलबा फैला था.

जब बवंडर दोनों भाईयों के पास से गुज़रा तो उसकी तीव्रता से दोनों भाई घोड़ा-गाड़ी से उड़कर नीचे ज़मीन पर जाकर गिरे. फिर हवा के तेज़ झोंके से वो सूखे पत्तों की तरह उड़ते हुए रोचेस्टर शहर की मुख्य सड़क पर जा पहुंचे.

उस बवंडर ने रोचेस्टर शहर को भी पूरा तहस-नहस किया. बवंडर में अच्छी भली इमारतें गिर गईं और उनका मलबा हवा में उड़ने लगा. फिर जिस तेज़ी से बवंडर आया था उसी तीव्रता से वो गायब भी हो गया.

चार्ली और विली एक इमारत से जाकर टकराए. उन्होंने आश्चर्य से इधर-उधर देखा. इत्तिफाक से उन्हें कोई ख़ास चोट नहीं लगी थी. पर उनके आसपास कई ज़ख़्मी लोग पड़े थे.

डॉ. विल और चार्ली ने तुरंत ज़ख़्मी लोगों का इलाज करना शुरू कर दिया. डॉ. मेयो भी कुछ देर में वहां पहुँच गए. शहर का टाउन-हाल अब एक इमरजेंसी अस्पताल में बदल गया. वहां पर अस्थायी पलंग डाले गए. कुछ धार्मिक नन्स ने नर्सों का काम किया. शहर के सभी लोगों ने अपनी हैसियत के अनुसार पीड़ितों की मदद की.

पर टाउन-हाल में ख़ास सफाई नहीं थी. इसलिए कुछ ज़ख़्मी लोगों को बाद में इन्फेक्शन हो गया और उनमें से कुछ लोग मर भी गए.

"असल में हमारे शहर को एक अस्पताल की ज़रुरत है," दुर्घटना समाप्त होने के बाद उनमें से एक नर्स ने कहा. "हमें एक ऐसी जगह की ज़रुरत है जहाँ हम बीमार और ज़ख़्मी लोगों का इलाज कर सकें."

"मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूँ," डॉ. मेयो ने कहा.

"हम लोग पैसा इकट्ठा करेंगे और अस्पताल बनायेंगे," नन्स ने कहा. "पर आपको अपने बेटों के साथ वहां काम करना होगा."

"यह तो बेहद बढ़िया आईडिया है," डॉ. विल ने कहा. "चार्ली भी जल्द ही मेडिकल स्कूल में जाएगा. जब उसकी पढ़ाई ख़त्म होगी तो फिर तीनों मेयो डॉक्टर्स काम करने को मौजूद होंगे."

टू-साइड उनकी बातें सुनकर हंसा. "अगर लोग आपस में काम बाँटेंगे तो यह बेहद ख़ुशी की बात होगी," उसने कहा, "उससे काम आसान भी हो जाएगा."

रोचेस्टर का अस्पताल बनने में बहुत समय लगा. पर चार्ली को डॉक्टर बनने में भी कई साल लगे. जब चार्ली पढ़ रहा था तब डॉ. मेयो और डॉ. विल लोगों का इलाज कर रहे थे. कभी-कभी उनके गरीब मरीज़ उन्हें बतौर फीस अपने घर की मुर्गी भेंट कर जाते थे. कभी मरीज़ अपने बगीचे से एक टोकरी सेब ले आते थे. और कभी-कभी मरीजों के पास फीस देने को कुछ भी नहीं होता था.

"बिल्कुल फ़िक्र मत करो," डॉ. विल हमेशा कहते. "हम बस यह चाहते हैं कि आपकी तबियत जल्दी दुरुस्त हो."

जब चार्ली मेडिकल स्कूल से वापिस आया तब उसने देखा की पिताजी और बड़े भाई के पास इलाज कराने वाले मरीजों का ताँता लगा था. जब एक मरीज़ ने उसे "डॉ. चार्ली" कहकर बुलाया तो चार्ली को बहुत हंसी आई.

"डॉ. चार्ली नाम काफी अच्छा है," चार्ली ने टू-साइड से कहा.

अस्पताल खुलने के बाद तीनों मेयो डॉक्टर्स बहुत ज्यादा लोगों का इलाज कर पाए और गरीब लोगों की मदद कर पाए. डॉ. विल और डॉ. चार्ली ने वैज्ञानिक तरीके से लोगों का इलाज करने की नवीनतम तरीके सीखे. उनके पिता को यह पता था कि मरीजों की भावनायों को जानना भी अच्छे इलाज के लिए बेहद ज़रूरी होता था.

"यह कभी मत भूलो कि तुम लोगों की देखभाल कर रहे हो," डॉ. मेयो हमेशा कहते, "तुम्हें उनकी बीमारी के अलावा भी कई अन्य बातों पर भी ध्यान देना चाहिए."

फिर क्या था – पूरे मिन्नीसोटा से मरीज़ मेयो डॉक्टरों के पास इलाज कराने के लिए आने लगे. "मेयो डॉक्टर्स अपने काम में बहुत कुशल हैं," उनके मरीज़ कहते. "उनके ऑपरेशन थिएटर एकदम साफ़-सुथरे हैं. वो जर्म्स को मारने के लिए कार्बोलिक-एसिड का इस्तेमाल करते हैं. रोचेस्टर के अस्पताल में शायद ही कोई मरीज़ इन्फेक्शन से मरा हो."

कुछ दिनों बाद न केवल बीमार मरीज़ मेयो डॉक्टरों के पास आए, पर कुछ अन्य लोग भी आए? ज़रा अनुमान लगाओ वे लोग कौन थे?

आसपास के शहरों के सभी डॉक्टर और नर्सें भी वहां आईं. वे यह देखना चाहते थे कि मेयो डॉक्टर्स इतने लोगों की मदद कैसे कर पाते थे.

"यह तो बड़ी अजीब बात है," टू-साइड से कहा. "कभी तुम लोग लकड़ी के बक्सों पर खड़े होकर पिताजी को ऑपरेशन करते हुए देखते थे. अब अन्य डॉक्टर तुम्हें ऑपरेशन करते हुए देखने के लिए आते हैं!"

"अगर वो हमसे कुछ सीख सकते हैं, तो उससे हमें बेहद ख़ुशी होगी," डॉ. विल ने कहा.

"हमें दूसरों के साथ अपना ज्ञान और जानकारी बाँटने में बहुत ख़ुशी मिलती है," डॉ. चार्ली ने कहा.

मेयो भाईयों को जल्द ही समझ में आया कि बहुत सी बातें उन्हें खुद नहीं पता थीं – उन्हें नई जानकारी प्राप्त करनी थी. "हम दोनों बारी-बारी से दौरे पर क्यों न जाएँ?" विल ने चार्ली से एक दिन कहा. "हम में से एक यहाँ अस्पताल में मरीजों की देखभाल कर सकता है जबकि दूसरा दुनिया के सबसे अच्छे अस्पतालों का दौरा कर सकता है और सबसे काबिल डॉक्टरों से जाकर मिलकर कुछ नया सीख सकता है. फिर वापिस आकर वो दूसरों को यह बातें सिखा सकता है. इस प्रकार हम लगातार सीखते रहेंगे और बेहतर डॉक्टर बनेंगे."

डॉ. चार्ली को अपने भाई का यह आईडिया बहुत पसंद आया. उसके बाद से मेयो भाईयों ने पूरी दुनिया का दौरा किया और नई से नई मेडिकल जानकारी हासिल की.

दुनिया में जहाँ कहीं भी डॉक्टरों की बड़ी मीटिंग होती, एक मेयो भाई वहां ज़रूर मौजूद होता. उनको पहचानना भी बहुत आसान था. विल और चार्ली अन्य डॉक्टरों को न तो प्रभावित करना चाहते थे और न ही अपनी धाक ज़माना चाहते थे. इसलिए वो एकदम साधारण कपड़े पहनते थे और वे महत्वपूर्ण लगने के लिए दाढ़ी भी नहीं बढ़ाते थे. पर उनकी सरलता के बावजूद मेयो भाईयों का, बाकी डॉक्टरों पर बहुत प्रभाव पड़ता था.

जब कभी चार्ली या विल किसी मीटिंग में भाषण देते तो बाकी सब डॉक्टर्स उनकी बातों को बड़े ध्यान से सुनते थे. क्यों? क्योंकि मिन्नीसोटा के इन डॉक्टर्स ने यह दिखाया था कि वो अपने अस्पताल में इन्फेक्शन रोक सकते थे और वे कई अलग-अलग प्रकार के ऑपरेशन कर सकते थे

"मुझे और मेरे भाई को बहुत ख़ुशी होगी अगर आप कभी फ़ुर्सत निकालकर हमारे अस्पताल में आएं," डॉ. चार्ली दूसरे डॉक्टर्स से हमेशा कहते थे. "जब हम एक-दूसरे से सीखेंगे शायद तभी हम अपने मरीजों की बेहतर देखभाल कर पाएंगे."

चार्ली हमेशा लोगों से बड़े दोस्ताना अंदाज़ में बातें करता था. वो अपने प्रसिद्ध दोस्त विल रोजर्स की तरह ही बातें करता था. चार्ली और विल दोनों काफी मजाकिया थे. "ज्ञान बाँटने की सबसे अच्छी बात यह है," उसने टू-साइड से कहा, "किसी को नया ज्ञान देने के बाद भी वो ज्ञान तुम्हारे पास रहता है!"

पूरी दुनिया भर के डॉक्टरों ने चार्ली का निमंत्रण स्वीकार किया. वे विल और चार्ली का काम देखने के लिए रोचेस्टर आए. अब ऑपरेशन थिएटर में खड़े होने के लिए लकड़ी के बक्से नहीं थे. अब ऑपरेशन टेबल पर आईने थे और कुर्सियां थीं जिससे कि मेहमान डॉक्टर आराम से बैठ सकें और बारीकी से ऑपरेशन देख सकें. कुर्सियां स्लाइड कर सकती थीं इसलिए मेहमान डॉक्टर्स विल और चार्ली को ऑपरेशन करते हुए अच्छी तरह देख सकते थे.

मेयो भाईयों के शोहरत अब दूर-दूर तक फैल चुकी थी. अब यूरोप और दक्षिण अमरीका के डॉक्टर भी विल और चार्ली के ऑपरेशन देखने के लिए आने लगे. वे उनके अस्पताल में हफ़्तों बिताते और बहुत कुछ नया सीखकर जाते.

सीनियर डॉ. मेयो अब सत्तर साल के हो गए थे. उन्होंने अस्पताल का सारा कार्यभार डॉ. विल और डॉ. चार्ली के ऊपर छोड़ दिया था. उनके मरीजों का अच्छा इलाज हो रहा था. इसलिए अब सीनियर डॉ. मेयो ने वो किया जो वो हमेशा करना चाहते थे. उन्होंने क्या किया? तुम क्या सोचते हो?

सीनियर डॉ. मेयो को घूमना बहुत पसंद था. इसलिए जिस साल डॉ. मेयो 87 साल के हुए उस साल उन्होंने अपनी पत्नी के साथ दो बार पूरी दुनिया की सैर की.

ज़्यादातर समय डॉ. मेयो और उनकी पत्नी से यात्रा का आनंद लिया. पर अक्सर दूर-दराज़ के देशों में डॉ. मेयो अन्य डॉक्टर्स से जाकर मिलते और उनके अस्पतालों को देखने जाते. वो उनसे कुछ नया सीखने की कोशिश करते. रोचेस्टर वापिस आकर वो विल और चार्ली को उन नवाचारों के बारे में बताते थे.

पर अब रोचेस्टर के अस्पताल में इतने मरीजों की भीड़ लगी रहती थी कि वो मरीजों के लिए छोटा पड़ रहा था.

"उन लोगों को देखो," डॉ. विल ने एक दिन कहा. उस दिन मरीजों की बहुत ज्यादा भीड़ थी. "ऐसा लगता है जैसे रोजाना मरीजों की लाइन बढ़ती ही जा रही है," डॉ. चार्ली ने कहा.

"मैं तुमसे उसके बारे में बात करना चाहता हूँ," डॉ. विल ने अपने भाई से कहा. "आओ, मेरे दफ्तर में आओ. तुम भी साथ में आओ – टू-साइड."

"अब हमारे पास भरपूर पैसा है," डॉ. विल ने ऑफिस में जाकर कहा. "पैसे न होने के कारण हमने आजतक किसी गरीब मरीज़ को वापिस नहीं भेजा है. हमारे किसी भी मरीज़ ने इलाज कराने के लिए कभी क़र्ज़ भी नहीं लिया. उसके बावजूद हमने काफी पैसे कमाए हैं."

"हम इतने पैसों का कभी भी इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे," डॉ. चार्ली ने कहा.

"यह तो बिल्कुल सही है," डॉ. विल ने कहा. "हमारे क्लिनिक का उद्देश्य कमाई करना था भी नहीं. हमारा मकसद गरीब मरीजों की सेवा करना था. इसलिए हम इन पैसों से किसी तरह और मरीजों की मदद करेंगे!"

"हम एक नया अस्पताल बना सकते हैं," डॉ. चार्ली ने कहा.

"बिल्कुल ठीक!" विल ने कहा. "फिर हम उन डॉक्टर्स की भी सहायता कर सकते हैं जो हमारे साथ रहकर सीखना चाहते हैं."

"बहुत बढ़िया!" टू-साइड चिल्लाई. "तुम दोनों ने बड़े होकर लोगों के साथ अपनी कुशलताओं और धन को बाँटना सीखा है."

उसके बाद मेयो भाईयों ने एक बड़ा अस्पताल बनाया. फिर अगले बीस सालों तक वो गरीब मरीजों की सेवा करते रहे. वो अपनी आधी कमाई उन लोगों पर खर्च करते जो गरीब और बीमार थे. जब उनके पास काफी धन इकट्ठा हो गया तब वे यूनिवर्सिटी ऑफ़ रोचेस्टर के प्रेसिडेंट के पास गए.

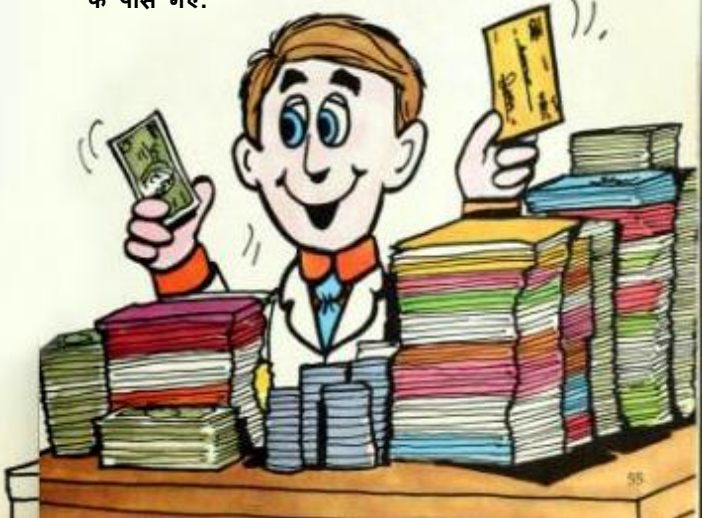

"मेरे भाई और मेरे पास अब बीस लाख डॉलर बचे हैं," डॉ. विल ने यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट से कहा. "हम यह पैसा यूनिवर्सिटी को दान देना चाहते हैं, जिससे कि मेडिकल छात्र और युवा डॉक्टर हमारे क्लिनिक में आकर पढ़ सकें और सीख सकें.

"यह तो बहुत बड़ा दान है!" आश्चर्य से यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट ने कहा. "पर यह सबकुछ आप क्यों कर रहे हैं?"

"कभी-कभी लोगों को समझ में नहीं आता है," डॉ. चार्ली ने कहा. "पर असल में यह बहुत सरल है. जो कुछ हमारे पास है उसे हमें लोगों में बाँटने में अपार आनंद मिलता है."

क्या तुम्हें पता है कि यह सुनकर टू-साइड को कितना गर्व हुआ होगा?

जब पूरी दुनिया से युवा डॉक्टर मेयो क्लिनिक में सीखने के लिए आये तो टू-साइड की छाती ख़ुशी से फूल गई. बहुत से डॉक्टर वहां तीन साल रहते और फिर अपने-अपने देशों और शहरों में वापिस चले जाते. कुछ डॉक्टर मेयो क्लिनिक में मदद करने के लिए वहीं रुक जाते.

"यह बहुत अच्छी बात है!" डॉ. चार्ली ने कहा. "अब ज्यादा-से-ज्यादा डॉक्टर, अधिक-से-अधिक लोगों की मदद कर सकेंगे."

इस पूरे ख़ुशी के दौर में, एक व्यक्ति मेयो भाईयों से भी ज्यादा खुश था. उन्होंने दोनों भाईयों को छुटपन से युवा बनते और बड़े होते देखा था. अनुमान लगाओ, वो कौन था?

वो मेयो भाईयों की माँ थीं!

मिसेज़ मेयो की आयु अब अस्सी वर्ष से भी ज्यादा की थी. वो अभी भी मेडिकल जर्नल पढ़ती थीं जैसे उन्होंने अपने पति के लिए पढ़े थे. पर अब वो मेडिकल जर्नल्स में अपने बेटों डॉ. विल मेयो और डॉ. चार्ली मेयो के लिखे लेखों को पढ़ती थीं. उन्हें अक्सर वो लेख मिल जाते थे, क्योंकि उनके बेटों ने अपने ज्ञान और अनुभव को हज़ार से अधिक लेखों में बाकी डॉक्टर्स के लिए लिखा था.

वैसे शोहरत कभी भी उनका लक्ष्य नहीं था, पर अब दोनों मेयो भाई बहुत मशहूर हो चुके थे. हर जगह उन्हें सम्मानित किया जाता था. अमरीका के राष्ट्रपति को भी मेयो भाईयों से बातें करने में गर्व महसूस होता था.

पर डॉ. विल और डॉ. चार्ली दोनों नम्र इंसान थे. "जब लोग मेरे साथ कोई ख़ास व्यवहार करते हैं तो मुझे अच्छा नहीं लगता है," डॉ. विल हमेशा कहते थे. डॉ. चार्ली हमेशा कहते थे कि उनकी सफलता का राज उनके माता-पिता थे!

मेयो भाईयों ने टू-साइड की सीख हमेशा याद रखी. शेयरिंग का मतलब सिर्फ देना नहीं, बल्कि लेना भी होता है. इसलिए मेयो भाईयों ने प्रशंसा और सम्मान भी बड़ी कृतज्ञता के साथ स्वीकार किए.

मेयो भाईयों को बहुत मान-सम्मान मिले, पर उनकी ख़ुशी का स्रोत कुछ अलग ही था. जब दुनिया के सबसे प्रसिद्ध डॉक्टर रोचेस्टर के मेयो क्लिनिक में आते तो उससे दोनों भाईयों को सबसे बड़ी ख़ुशी मिलती थी. उनमें से कई डॉक्टर वहीं रूककर मेयो क्लिनिक में काम करने लगते. आज भी दुनिया भर से डॉक्टर मेयो क्लिनिक में सीखने और प्रशिक्षण लेने के लिए आते हैं.

हरेक के पास बाँटने और साँझा करने के लिए एक जैसे चीज़ नहीं होती है. हो सकता है आपके पास धन न हो, कोई माइक्रोस्कोप न हो. हो सकता है आप दूसरों के साथ अपनी चीज़ें बाँटना ही नहीं चाहते हों. उसका निर्णय खुद आपको लेना होगा. पर अगर आप अपनी चीज़ों दूसरों में बांटते हैं, और दूसरों की अच्छी चीज़ें स्वीकार करते हैं तब शायद आप खुद के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें खोज पाएंगे.

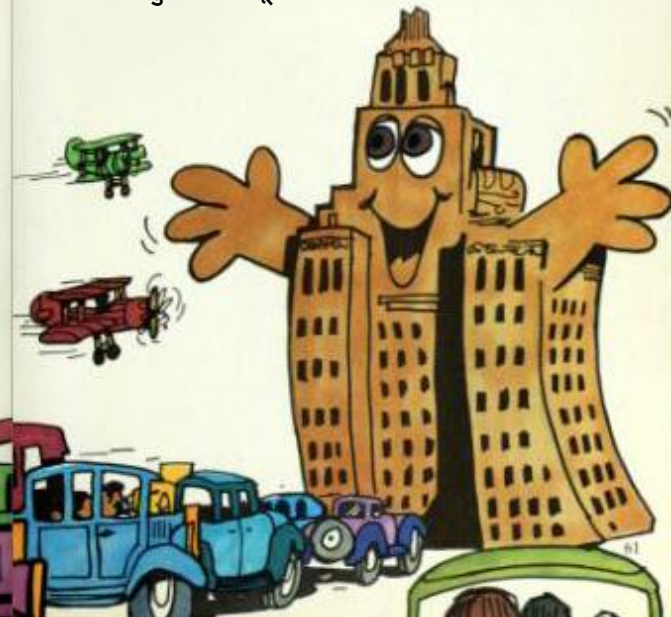

बांटने से खुदको अपार ख़ुशी मिलती है. दोनों मेयो भाईयों ने अपनी पूरी ज़िन्दगी सिर्फ यही किया.

ऐतिहासिक तथ्य

विलियम जेम्स मेयो (1861 - 1939)

चार्ल्स होरेस मेयो (1865 - 1939)

मेयो भाई अपनी ज़िन्दगी में, तमाम अच्छी चीज़ें, अन्य लोगों के साथ बाँट पाए. वो अपने माता-पिता की पांच संतानों में दो थे. वे अपनी तीनों बहनों से भी बहुत प्रेम करते थे. पर दोनों भाईयों में एक विशेष मित्रता भी थी.

उनके पिता का जन्म इंग्लैंड में हुआ था और 1845 में, 26 साल की उम्र में, वो अमेरीका आए थे. 1854 में उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ़ मिसौरी के मेडिकल स्कूल से डॉक्टरी की डिग्री हासिल की. फिर शादी के बाद उनकी तीन बेटियां हुईं. वे मिन्नीसोटा के एक छोटे गाँव में बस गए. वहां उनका पहला बेटा – विल पैदा हुआ. गृह-युद्ध के बाद और एक आर्मी डॉक्टर की हैसियत से डॉ. मेयो फिर रोचेस्टर, मिन्नीसोटा में जाकर बस गए. वहां उनका दूसरा बेटा चार्ली पैदा हुआ. उसी समय लुइस पासचर ने, इन्फेक्शन क्यों होता है उसकी खोज की थी.

डॉ. मेयो सीनियर की उस समय उम्र 52 साल की थी. वो चाहते थे कि उनके बेटे आधुनिक मेडिकल जानकारी हासिल करें. 1871 में वो मिन्नीसोटा के अपने गाँव को छोड़कर नई मेडिकल कुशलताएँ सीखने के लिए न्यू-यॉर्क गए. वो देश में माइक्रोस्कोप का उपयोग करने वाले शायद पहले डॉक्टर थे.

यह बहुत स्पष्ट था कि दोनों मेयो भाई भी बड़े होकर डॉक्टर ही बनेंगे. विल ने मिशिगिन मेडिकल स्कूल से 1883 में डॉक्टरी की डिग्री हासिल की. चार्ली ने 1888 में शिकागो मेडिकल स्कूल से डॉक्टरी की. उसके एक साल बाद सेंट मैरी हॉस्पिटल स्थापित हुआ. उसमें 40 बेड थे और तीनों मेयो डॉक्टर वहां काम करते थे. उनमें सीनियर मेयो 70 वर्ष के और उनके दो युवा डॉक्टर बेटे थे. पास में ही उनकी क्लिनिक थी जो बाद में मशहूर "द मेयो क्लिनिक" के नाम से विश्वविख्यात हुई.

दोनों मेयो भाई मानवीय और दयालु प्रकृति के थे. उन्होंने अनेकों मेडिकल जर्नल्स में 1000 से ऊपर लेख लिखे. उन्होंने जो काम चुपचाप किया उसके बारे में उन्होंने किसी को नहीं बताया. उन्होंने हजारों गरीब मरीजों का निशुल्क इलाज किया और उनकी सहायता की. मेयो क्लिनिक में तीस प्रतिशत से ज्यादा मरीजों का इलाज मुफ्त होता था. वो अपने अमीर मरीजों से भी बहुत सामान्य फीस ही लेते थे. उनकी आधी कमाई हमेशा गरीबों के इलाज पर खर्च होती थी.

दोनों भाई 70 सालों तक एक-दूसरे के बहुत करीब रहे. दोनों की मृत्यु भी लगभग साथ-साथ हुई – सिर्फ दो महीनों के अंतर पर.

दोनों भाईयों की सर्जन के रूप में सफलता शायद उनकी अभिन्न दोस्ती में छिपी थी. जब कभी उनमें से किसी को कोई सम्मान मिलता तो वो इन शब्दों में उसे नम्रता से स्वीकार करते, "मेरे भाई और मैंने ...."